18 राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र

1. निम्न में से कौनसा वाद्य एक सुषिर वाद्य नहीं है?
(1) सारंगी (2) नागफणी
(3) अलगोजा (4) नड़ (1)

व्याख्या– सारंगी तत् वाद्ययंत्रो में सर्वश्रेष्ठ वाद्ययंत्र है यह सागवान की लकड़ी से बनायी जाती है। इसका वादन घोड़े की पूंछ के बाल वाले गज से किया जाता है।

2. लोहे से बना मोरचंग किस प्रकार का वाद्य है ?
(1) घन (2) सुषिर
(3) ताल (4) तत् (2)

व्याख्या– यह सुषिर वाद्ययंत्रों में सबसे छोटा वाद्ययंत्र है।

3. मृदंग की आकृति के मिट्टी से बने लोक वाद्य, जो मोलेला गाँव में विशेषत: बनाया जाता है, का क्या नाम है?
(1) नौबत (2) माँदल
(3) धौंसा (4) माठ (2)

व्याख्या– मोलेला गाँव (राजसमंद) में माँदल के बाहर के खोल को मिट्टी से बनाते है। इसके दोनों तरफ चमडा मंढ़ा जाता है। भीलों द्वारा गवरी नृत्य के दौरान व गरासिया जाति द्वारा मांदल नृत्य के दौरान इसका प्रयोग किया जाता है।

4. निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र तत् वाद्ययंत्र नहीं है ?
(1) कामयचा (2) सतारा
(3) चिकारा (4) भपंग (2)

व्याख्या– सतारा एक सुषिर वाद्ययंत्र है जो कि बाँसूरी, अलगोजा व शहनाई का मिश्रित रूप होता है।

5. निम्न में से कौनसा अवनद्य वाद्ययंत्र नहीं है?
(1) चिकारा (2) पखावज
(3) ढ़पली (4) मांदल (1)

व्याख्या– चिकारा तत् वाद्य यंत्र है।

6. किस कलाकार को 'नगाड़े का जादुगर' कहा जाता है?
(1) रामनाथ चौधरी (2) करणा भील
(3) हरिप्रसाद चौरसिया (4) रामकिशन सोलंकी (4)

व्याख्या– नगाड़ा भैंस के चमड़े का बना होता है। इस वाद्ययंत्र को मांगलिक अवसरों पर शहनाई के साथ बजाया जाता है। नगाड़े का एक जोड़ होता है, जिसमें एक नर व एक मादा होता है।

7. राजस्थान का कौनसा कलाकार 'भपंग का जादूगर' कहलाता है?
(1) जुहुर खाँ मेवाती (2) चांद मोहम्मद
(3) अमीर मोहम्मद खाँ (4) पेपे खाँ (1)

व्याख्या– भपंग डमरू से मिलता–जुलता वाद्ययंत्र है। यह कटे हुए तुंबे से बनता है। जिसके एक सिरे पर चमड़ा मंढा होता है। वादक इसे काँख में दबाकर एक हाथ से लकड़ी के टूकड़े से बजाते हैं। यह वाद्ययंत्र मेवात में लोकप्रिय है।

8. सुषिर वाद्ययंत्रों में सबसे लम्बा वाद्ययंत्र, जो तीन हाथ लम्बी नली जैसा होता है, भवाई जाति का प्रमुख वाद्ययंत्र है?
(1) नड़ (2) बाँकिया
(3) सींगा (4) भूंगल (4)

व्याख्या– भूंगल को युद्धों में बजाये जाने के कारण इसे रणभेरी भी कहा जाता है।

9. निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य–यंत्र तत् वाद्य नहीं है?
(1) सारंगी (2) चिकारा
(3) अलगोजा (4) भपंग (3)

व्याख्या– अलगोजा एक सुषिर वाद्ययंत्र है।

10. निम्नलिखित में से कौनसा सुषिर वाद्य नहीं है?
(1) सुरिन्दा (2) शहनाई
(3) भूंगल (4) पुंगी (1)

व्याख्या– सुरिन्दा एक तत् वाद्ययंत्र है। रोहिड़े की लकड़ी से बना यह वाद्ययंत्र गज से बजाया जाता है। लंगा जाति द्वारा इसे मुरला व सतारा वाद्ययंत्रो की संगत में बजाया जाता है।

11. 'घुरालियों' क्या है?
(1) गरासियों का वाद्ययन्त्र (2) कालबेलियों का वाद्ययंत्र
(3) सरगड़ा जाति का वाद्ययंत्र (4) भीलों का वाद्ययंत्र (2)

व्याख्या– घुरालिया 5–6 अंगुल लम्बी बाँस की खपच्ची से बनाया जाता है। इसके एक छोर को छीलकर मुख पर धागा बाँध दिया जाता है। इसे दाँतों के बीच दबाकर धागों की सहायता से भी बजाया जाता है।

12. रावण हत्था को निम्न में से किस से बनाया जाता है?
(1) बाँस की लकड़ी (2) काँच का बर्तन
(3) नीम की लकड़ी (4) नारियल की कटोरी (4)

व्याख्या– रावण हत्था राजस्थान में सबसे प्राचीन वाद्ययंत्र है। इसमें 9 तार होते हैं। इसे आधे कटे नारियल की कटोरी पर बकरे का चमड़ा चढ़ाकर बनाया जाता है। यह भोपों का मुख्य वाद्ययंत्र है। भोपों द्वारा इसका प्रयोग फड़ वाचन में किया जाता है।

13. चौतारा, कामयचा कौन से लोकवाद्य परंपरा से जुड़े है?
(1) सुषिर वाद्य (2) अवनद्य वाद्य
(3) तत् वाद्य (4) घन वाद्य (3)

व्याख्या– जिनमें तार लगे हों और तारों द्वारा स्वर उत्पन्न किए जाते हैं, उन्हें तत् या तन्तु वाद्ययंत्र कहा जाता है। इनमें से जिन वाद्ययंत्रों को गज की सहायता से बजाया जाता है, उन्हें वितत वाद्य कहा जाता है।

14. निम्न में से असुमेलित युग्म छांटिए –
(1) इकतारा – तत् वाद्य
(2) अलगोजा – सुषिर वाद्य
(3) झांझ – घन वाद्य
(4) घुरालियो – अवनद्य वाद्य (4)

व्याख्या– घुरालियो एक घन वाद्ययंत्र है, जो 5 –6 अंगुल लम्बी बाँस की खपच्ची से बनाया जाता है, इसके एक छोर को छीलकर मुख पर धागा बांध दिया जाता है इसे दाँतो के बीच दबाकर धागे की सहायता से बजाया जाता है।

Dhindhwal Publication

15. निम्नलिखित में से कौन–सा वाद्य–यंत्र तत् वाद्य नहीं है?
(1) तम्बूरा (2) जंतर
(3) निशान (4) रावणहत्था (3)

व्याख्या– निशान एक अवनद्य वाद्ययंत्र है,यह प्राचीन काल में युद्धों में भी बजाया जाता था।

16. निम्न में से कौनसा तत् वाद्य नहीं है?
(1) रावणहत्था (2) सुरमण्डल
(3) करणा (4) दुकाको (3)

व्याख्या– करणा सुषिर वाद्य यंत्र है।

17. राजस्थान का राज्य वाद्य है?
(1) रावणहत्था (2) अलगोजा
(3) कामायचा (4) शहनाई (2)

व्याख्या– अलगोजा वाद्ययंत्र 7 व 9 छिद्रों वाली बाँसुरियां होती हैं। जिसे वादक द्वारा एक साथ मुँह में रखकर बाँसुरी की तरह बजाया जाता है। यह मुख्यतः भील व कालबेलिया जाति द्वारा प्रयोग में लिया जाता है। यह कैर वृक्ष की लकड़ी से बनता है।

18. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है–
(1) खड़ताल – सुषिर वाद्य
(2) रबाब – तत् वाद्य
(3) बाँकिया – घन वाद्य
(4) डेरू – सुषिर वाद्य (2)

व्याख्या– खड़ताल घनवाद्य वाद्ययंत्र है तथा बाँकिया सुषिर वाद्ययंत्र है व डेरू अवनद्य वाद्ययंत्र है।

19. निम्न में से मुँह से बजाया जाने वाला वाद्य यंत्र है?
(1) धौंसा (2) मशक
(3) सुरमंडल (4) निशान (2)

व्याख्या– मशक थैलेनुमा व आधुनिक बैगपाईपर जैसा होता है, यह बकरे के चमड़े का बना होता है, इसमें एक नली में मुँह से हवा भरते है और दूसरी तरफ दो नलियों से हवा निकलती रहती है। यह काँख में दबाकर बजाया जाता है।

20. प्रसिद्ध सुरनाई वादक है–
(1) पेपे खाँ (2) सद्दीक खां
(3) जुहूर खां (4) कमल साकर खां (1)

व्याख्या– सुरनाई शहनाई व टोटो से मिलते–जुलते आकार का वाद्ययंत्र है। यह मांगलिक अवसरों पर बजाया जाता है। शहनाई शास्त्रीय वाद्य है। जबकि सुरनाई लोकवाद्य है।

21. जो वाद्य फूँक कर बजाये जाते है, उन्हें कहा जाता है?
(1) घन (2) सुषिर वाद्य
(3) अवनद्य (4) तत् (2)

22. राजस्थान के प्रसिद्ध पखावज वादक कौन है, जिन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से नवाजा जा चुका है?
(1) बिस्मिला खाँ (2) पण्डित पुरुषोत्तम दास
(3) चाँद मोहम्मद खाँ (4) हरिप्रसाद चौरसिया (2)

व्याख्या– पखावज या मृदंग ढोलक से मिलता–जुलता वाद्ययंत्र है। यह पेड़ के तने को खोखला कर बनाया जाता है। इसका एक मुँह छोटा व एक मुँह बड़ा होता है। यह राजस्थान में प्रायः मंदिरों में प्रयोग लिया जाता है।

23. निम्न में से तार लगा वाद्ययंत्र है?
(1) जन्तर (2) लेजिम
(3) पखावज (4) श्रीमंडल (1)

व्याख्या– जन्तर तत् वाद्ययंत्र है, जिसमें 5/6 तार होते है यह वीणा का प्रारम्भिक रूप है।

24. खड़ताल के जादूगर थे?
(1) सद्दिक खाँ मांगणियार (2) बिस्मिल्ला खाँ
(3) रामकिशन सोलंकी (4) पेपे खाँ (1)

25. माँदल क्या है?
(1) एक लोक नृत्य (2) एक वाद्य यंत्र
(3) 1 व 2 दोनों (4) एक लोकदेवता (3)

व्याख्या– मांदल एक अवनद्य वाद्ययंत्र है। मांदल एक गरासिया महिलाओं का लोकनृत्य भी है। मादलिया नामक महिलाओं का एक गले का आभूषण भी है।

26. प्रसिद्ध शहनाई वादक जिन्होंने फिल्मों में भी वादन किया है–
(1) अमीर मोहम्मद (2) हरिप्रसाद चौरसिया
(3) सदिक खाँ (4) चाँद मोहम्मद खाँ (4)

व्याख्या– चाँद मोहम्मद खाँ को शहनाई वादन के लिए राज्य स्तर पर 8 बार सम्मानित किया जा चुका है।

27. निम्न में से असंगत युग्म को छांटिए–
(1) रावणहत्था में 18 तार होते हैं।
(2) तंदूरा में 4 तार होते हैं।
(3) कामायचा में 16 तार होते हैं।
(4) रबाज में 12 तार होते हैं (1)

व्याख्या– रावणहत्था राजस्थान सबसे प्राचीन वाद्ययंत्र है, जिसमें 9 तार लगे होते है।

28. दमामा व कमर किस प्रकार के वाद्य यंत्र है?
(1) अवनद्य वाद्य यंत्र (2) तत् वाद्य यंत्र
(3) सुषिर वाद्य यंत्र (4) घन वाद्य यंत्र (1)

29. किस वाद्य यन्त्र का प्रयोग सामान्यतः स्कूलों में भी देखा जा सकता है?
(1) झालर (2) माटे
(3) तुरही (4) डमरू (1)

व्याख्या– झालर कांसे या ताँबे से बनी मोटी चक्करकार तश्तरी होती है। जिस पर लकड़ी की डंडी से चोट कर बजाया जाता है। यह सुबह–शाम आरती के समय मंदिरों में भी प्रयोग किया जाता है।

30. किस वाद्य यन्त्र का प्रयोग शेखावाटी में चंग नृत्य व गीदड़ नृत्य में होता है?
(1) ढ़प (2) खंजरी
(3) तासा (4) नगाड़ा (1)

व्याख्या– ढ़प, चंग या घेरा वाद्ययंत्र गोलाकार लकड़ी के घेरे पर पशु की खाल मंढ़कर बनाया जाता है। इसे कालबेलिया जाति द्वारा प्रयोग किया जाता है। इसे बांय हाथ से पकड़कर दांये हाथ की थाप से बजाया जाता है।

31. निम्नलिखित युग्मों को सही सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूटों में से सत्य कूट का चयन करें।

वाद्य यन्त्र	प्रयोग
A. मंजीरा	I. रम्मत लोक नाट्य
B. माटे	II. पाबूजी के पवाड़े
C. बम	III. रसिया गीत
D. रबाज	IV. तेरहताली नृत्य

कूट :

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	II	III	I	
(3)	I	II	III	IV	
(4)	I	III	II	IV	(2)

32. निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूटों में से सत्य कूट का चयन करें।

वाद्य यन्त्र	जाति
A. दुकाको	I. भील समुदाय
B. जंतर	II. गुर्जर भोपों द्वारा
C. चौतारा	III. कामड़ जाति
D. मुरला	IV. लंगा जाति

कूट :

	A	B	C	D	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	II	III	I	
(3)	I	III	II	IV	
(4)	I	II	III	IV	(4)

33. किस वाद्य यन्त्र के छोटे रूप को ढपली कहा जाता है?
(1) तासा (2) चंग
(3) मुरला (4) टोटो (2)

व्याख्या– चंग का छोटा रूप ढपली कहलाता है।

34. किस वाद्य यन्त्र को बांसुरी की तरह बजाया जाता है?
(1) मसक (2) अलगोजा
(3) मुरला (4) तुरही (2)

व्याख्या– अलगोजा सुषिर वाद्ययंत्र है, वादक द्वारा दो अलगोजों को एक साथ मुँह में रखकर बाँसूरी की तरह बजाया जाता है, यह राजस्थान का राज्य वाद्ययंत्र है। इसे सुपारी की लकड़ी से बनाते है।

35. किस वाद्य यन्त्र का प्रयोग युद्ध में नहीं किया जाता था?
(1) तुरही (2) सींगी
(3) भरनी (4) बिगुल (3)

व्याख्या– भरनी मिट्टी के संकड़े मुँह के मटके पर काँसे की प्लेट लगाकर लकड़ी की डंडीयों से बजाया जाता है, यह अलवर–भरतपुर क्षेत्र में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है।

36. काँख में दबाकर बजाया जाने वाला वाद्य यन्त्र, जिसका प्रयोग पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक किया जाता है?
(1) नगाड़ा (2) झांझ
(3) मशक (4) मंजीरा (3)

37. एक मीटर लम्बी नलीनुमा वाद्य यन्त्र, जिसका प्रयोग चरवाहों व ऊँटों के रेवड़ वालों द्वारा अधिकतर किया जाता है?
(1) बांकिया (2) नड़
(3) सतारा (4) मोरचंग (2)

38. किस वाद्य यन्त्र का निर्माण समुद्री जन्तु के खोल से होता है?
(1) निसान (2) शंख
(3) टोटो (4) बांकिया (2)

39. राजस्थान का सबसे प्राचीन वाद्ययंत्र माना जाता है?
(1) तंदूरा (2) सारंगी
(3) रावणहत्था (4) कामायचा (3)

40. कौनसा वाद्ययंत्र अवनद्य वाद्य नहीं है?
(1) टिकोरा (2) माठ
(3) डमरू (4) ढ़ोल (1)

व्याख्या– टिकोरा घन वाद्ययंत्र है, घरों में पूजा/आरती के समय प्रयोग किया जाता है।

Dhindhwal Publication